जागरूक हो कर ही कर सकते हैं साइबर क्राइम से मुकाबला: फणसालकर

■ रिपोर्टर, मुंबई : साइबर क्राइम की बढ़ती घटना चिंता का विषय है, लेकिन मुंबई पुलिस इससे निपटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। लोगों को भी साइबर क्राइम के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। जागरूक हो कर ही साइबर क्राइम से मुकाबला किया जा सकता है। बांद्रा में अग्नि एच-वेस्ट वॉर्ड द्वारा आयोजित 'अग्नि-मीट योर पुलिस' कार्यक्रम में नागरिकों से बात करते हुए पुलिस कमिश्नर विवेक फणसालकर ने यह बात कही।

'अग्नि-मीट योर पुलिस' कार्यक्रम में लोगों से मुखातिब हुए पुलिस कमिश्नर

बांद्रा में आयोजित 'अग्नि-मीट योर पुलिस' कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर विवेक फणसालकर ने नागरिकों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया।

साइबर क्राइम विंग का गठन

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि मुंबई समेत देश के अन्य हिस्सों में साइबर अपराधों में वृद्धि हो रही है। इसे रोकने और इससे बचने के लिए नागरिकों को और अधिक जागरूक होना चाहिए। साइबर क्राइम से निपटने के लिए पुलिस कमर कस चुकी है। मुंबई पुलिस ने डीसीपी रैंक के नेतृत्व में साइबर क्राइम विंग बनाया गया है। साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए विशेष रूप से 5 साइबर पुलिस स्टेशन पहले ही आरंभ किए जा चुके हैं। हर पुलिस स्टेशनों में अब एक समर्पित 'साइबर सेल' है।

मुंबई में साइबर मामलों की सुनवाई अधिक

उन्होंने कहा कि नागरिकों को आपराधिक मामलों की शिकायत दर्ज कराने और शहर में सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित बढ़ते साइबर मामलों को रोकने के लिए सुविधा प्रदान करना हमारा उद्देश्य है। सायबर सेल में एक पुलिस इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर और दो से तीन कांस्टेबल को तैनाय किया गया है। उन्होंने कहा कि मुंबई इकलौता ऐसा शहर है, जहां इतने सारे पुलिस स्टेशन हैं, जहां साइबर मामलों की सुनवाई हो रही है। अग्नि के ट्रस्टी और संयोजक दिनेश अहीर ने कहा कि नागरिकों और पुलिस अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें होनी चाहिए। इससे अपराध पर लगाम लग सकती है। सीसीटीवी कैमरे से शहर की निगरानी, ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक पुख्ता बनाया जा सकता है। फेरीवालों, अतिक्रमण, अवैध निर्माण से संबंधित नागरिकों की समस्याओं और मुद्दों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। यातायात नियमों के क्रियान्वयन एवं प्रवर्तन तथा ध्वनि प्रदूषण से संबंधित सुझावों पर अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए।

NBT साइबर सुरक्षा कवच

बनें...एनबीटी साइबर योद्धा

आप अगर साइबर अपराधों को रोकना चाहते हैं तो आप हमसे सीधे जुड़ सकते हैं और एनबीटी साइबर योद्धा बन सकते हैं। ट्रेनिंग के बाद कर सकते हैं दूसरों की भी मदद

कैसे बनें साइबर योद्धा

1. एनबीटी साइबर योद्धा बनने के लिए आप वॉट्सऐप नंबर **98188 53345** पर मेसेज भेज दें। मेसेज में अपना नाम, पता और अपने बारे में कुछ जानकारी भी भेजें।

2. एनबीटी साइबर योद्धा बनने के लिए आप ईमेल भी कर सकते हैं। अपना नाम, मोबाइल नंबर और अपने बारे में जरूरी जानकारी **nbtreader@timesgroup.com** पर भेज दें। अपनी इस ईमेल के सब्जेक्ट में **CYBER YODHA** जरूर लिखें।

इस QR कोड को स्कैन करके आप नवभारत गोल्ड की वेबसाइट पर NBT साइबर सुरक्षा कवच के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

Camera 2023.04.26 11:43